पंचायती राज व्यवस्था के कार्य।
(Function of Panchayati Raj)

पंचायती राज व्यवस्था के अन्तर्गत गाँव, पंचायत, पंचायत समिति, तथा जिला परिषद समान रूप से महत्वपूर्ण हैं तथा एक-दूसरे के पूरक हैं। इसके पश्चात भी यदि इन सभी संस्थाओं में ग्राम पंचायत का महत्व सबसे अधिक है। इसके माध्यम से एक ऐसी लोकतन्त्रिक व्यवस्था सम्भव हो पाती है जिसमें शासन का प्रवाह नीचे से ऊपर की ओर होता है। ग्राम पंचायत ही वह माध्यम है जिनके द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाओं के निर्माण के लिए सुझाव दिये जाते हैं तथा उन योजनाओं का कार्यान्वयन को प्रभावपूर्ण बनाया जाता है। सम्भवतः इसी दृष्टिकोण से गाँधीजी ने कहा था "यदि भारत की जनता के लिए स्वराज्य का कोई अर्थ है तो एक प्रारम्भिक संस्था के रूप में ग्राम पंचायतों के विकास को सबसे अधिक महत्व देना होगा। इस सम्बन्ध में श्री डेवर ने यह स्पष्ट किया है कि "पंचायतें केवल ग्रामीण विकास की ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत के विकास की चुटी है।" भारत में गाँव पंचायतों का महत्व इसी तथ्य से स्पष्ट हो जाता है कि गाँव पंचायतें छोटे से छोटे प्रत्येक स्थान पर ग्रामीणों को जनतन्त्र की शिक्षा देने तथा उन्हें अपना विकास स्वयं करने का प्रशिक्षण देने वाला सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इनमें ग्रामीण स्वतन्त्रता के सभी गुण विद्यमान हैं। वास्तव में

Created By Sign Doc

ग्रामीण जीवन के लिए ग्राम पंचायतें जो महत्वपूर्ण कार्य कर सकती है वह किसी भी अन्य संगठन द्वारा संभव नहीं है। विभिन्न क्षेत्रों में पंचायतों के महत्व को हम उनके द्वारा किये जाने वाले निम्नांकित कार्यों के सन्दर्भ में सरलतापूर्वक स्पष्ट कर सकते हैं—

सार्वजनिक कल्याण में गाँव पंचायतों का महत्व—

(1) सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार।
(2) रोगों की चिकित्सा।
(3) स्वच्छता का प्रबन्ध।
(4) यातायात के विकास में सहायक।
(5) स्वच्छ पानी की व्यवस्था।
(6) मनोरंजन का प्रबन्ध।
(7) प्राकृतिक प्रकोपों में सहायता।

आर्थिक जीवन में ग्राम-पंचायतों का महत्व—

(1) उद्योग-धन्धों का विकास।
(2) पशुओं के नस्ल में सुधार।
(3) सिंचाई की सुविधाएँ।
(4) भूमिहीन मजदूरों की सहायता।
(5) सहकारी समितियों का विकास।

सामाजिक जीवन में ग्राम पंचायतों का महत्व—

(1) शिक्षा का प्रचार।
(2) बँधुआ मजदूरों की सहायता।
(3) समाज सुधार कार्य।
(4) मातृत्व तथा बाल कल्याण की सुविधाएँ।
(5) मादक द्रव्यों के उत्पाद पर रोक।

राजनीतिक जीवन में पंचायत का महत्व—

(1) मतदान के बारे में जागरूकता लाना।
(2) प्रजातन्त्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित कराकर।
(3) नागरिकता की शिक्षा देकर।
(4) शासन में योगदान के तरीकों से परिचित कराना।
(5) सस्ता और शीघ्र न्याय देकर।
(6) अपनी समस्या स्वयं हल करने का प्रशिक्षण देकर। आदि।

Created By Sign Doc